कृषि शिक्षा दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

युवा कृषि क्षेत्र में भी नवाचार करें: प्रो. राठौड़

गंगरार, 3 दिसम्बर (जसं.)। युवाओं को कृषि क्षेत्र में भी नवाचार करना चाहिए। कृषि क्षेत्र में भी आन्त्रप्रन्योर बनने पर हमें जोर देना होगा।

राष्ट्रीय कृषि शिक्षा दिवस के अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय में कृषि एवं पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आईसीएआर के पूर्व डीडीजी डॉ. एनएस राठौड़ ने कृषि के महत्व पर विचार रखते हुए कहा कि आज हमारा देश खाद्यान्न उत्पादन में तीसरे नम्बर पर है, सब्जी, फल तथा दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कृषि क्षेत्र में चार तरह के टी को महत्वपूर्ण बताया जिसमें उन्होंने कृषि क्षेत्र में ट्रेनिंग, टेस्टिंग, टाइमिंग ट्रान्सपेरेन्सी पर जोर दिया। उन्होंने कृषि की जीडीपी के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि कोरोना से पहले कृषि जीडीपी 14 प्रतिशत थी और आज 20 प्रतिशत हो गई है। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। आज के समय में हम कार्पोरेट जॉब के प्रति भले ही आकर्षित हो रहे है लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे सम्पूर्ण विकास के लिये कृषि ही आधार स्तम्भ बन कर खड़ी होती है। हमें कोरोनाकाल को याद करना चाहिए जब सारे उद्योग बन्द से हो गये थे, तब लोग गांवों की ओर ही लौट रहे थे। ऐसे समय में कृषि आधारित व्यवस्था ने ही भारत को मजबूती से खड़े रखा।

प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने कहा कि ग्लोबल शेयर में भारत की स्थिति विश्व में सबसे मजबूत है। उन्होंने ऑर्गेनिक फार्मिंग के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज रसायनयुक्त कीटनाशक के उपयोग से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां बढ़ रही है। हम ऑर्गेनिक फार्मिंग के जरिये इस समस्या के निजात पा सकते है साथ ही शुद्ध और सात्विक आहार प्राप्त कर सकते है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के सहयोग से कृषि एवं पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय ने प्रश्नोत्तरी आयोजित की जिसमें प्रथम विजेता दिनेश धाकड़, द्वितीय खुशीराम चौधरी, आकाश, दीपेश सालवी एवं तृतीय स्थान पर भावित गिरी गोस्वामी, प्रियंका चौधरी और प्रवीण मेनारिया रहे। इस अवसर पर वृक्षारोपण भी किया गया।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण कृषि संकायाध्यक्ष प्रो. वाई सुदर्शन ने दिया वहीं संचालन कृषि विभाग के विद्यार्थी श्रेयल सेन तथा सलोनी शर्मा ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दनतथा राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर डायरेक्टर एकेडमिक्स डीके शर्मा, उपकुलसचिव दीप्ती शास्त्री, प्रो. चित्रलेखा सिंह, डॉ. आरएस राणा, डॉ. आर राजा, डॉ. केके भाटी, डॉ. नीलू जैन, डॉ. दीपक मिश्रा, डॉ. मनोहर मेघवाल, बृजेश मीणा, ओम प्रकाश गुर्जर, ओम प्रकाश रेगर, प्रदीप सिंह, चम्पा लाल रेगर सहित विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र पर कृषि शिक्षा दिवस मनाया

चित्तौड़गढ़। कृषि विज्ञान केन्द्र पर शनिवार को कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र डॉ. रतन लाल सोलंकी ने छात्र छात्राओं को कृषि शिक्षा की उपयोगिता, कृषि क्षेत्र में राजकीय रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तृत रुप से बताया। उन्होंने बताया कि कृषि शिक्षा दिवस के आयोजन का मुख्य उद्धेश्य छात्र छात्राओ में कृषि के प्रति रूचि उत्पन्न करना है। उन्होंने बताया कि देश के प्रथम कृषि मंत्री एवं स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति, भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के पुण्य जन्म दिवस के उपलक्ष्य में कृषि शिक्षा दिवस मनाया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का महत्व व उपयोगिता समझाते हुए कार्ड की सिफारिश अनुसार उर्वरक उपयोग करने की सलाह दी। डॉ. सोलंकी ने केवीके फार्म पर भ्रमण के दौरान वहां लगी विभिन्न इकाईयों वर्मी कम्पोस्ट, मॉडर्न नर्सरी एवं केविके फार्म पर विभिन्न बगीचे का अवलोकन करवाकर तकनीकी जानकारी दी। केन्द्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. राजेश जलवानिया ने कृषि तकनीकी को अपनाकर छात्र छात्रों को अधिक से अधिक फलदार पौधे लगाने व पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया। डॉ. सोलंकी ने बताया कि कृषि संकाय से प्राप्त डिग्री धारियों को भविष्य में अनेक क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध है। अंत में दीपा इन्दौरिया ने कृषि शिक्षा दिवस के आयोजन मे आये रविन्द्र नाथ टेगोर कृषि महाविद्यालय के रावे विद्यार्थियों एवं शहीद मेजर नटर सिंह शक्तावत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से उपस्थित व्याख्याओं का आभार व्यक्त किया।

कृषि क्षेत्र में भी हम बनें उद्यमीः प्रो. एन.एस. राठौड़

मेवाड़ विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस आयोजित

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। युवाओं के कृषि क्षेत्र में भी नवाचार करना चाहिए कृषि क्षेत्र में भी उद्यमी बनने पर हमें जोर देना होगा। उक्त बातें राष्ट्रीय कृषि शिक्षा दिवस के अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय में कृषि एवं पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आईसीएआर के पूर्व डीडीजी डॉ. एन.एस. राठौड़ ने कही। आगे उन्होने कृषि के महत्व पर विचार रखते हुए कहा कि आज हमारा देश खाद्यान्न उत्पादन में तीसरे नम्बर पर है और सब्जी और फल तथा दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। आज हमारे देश की स्थिति यह है कि हम आस-पड़ोस के देों को भी खिला सकते है। उन्होने कृषि क्षेत्र में चार तरह के 'टी' को महत्वपूर्ण बताया। जिसमें उन्होंने कृषि क्षेत्र में ट्रेनिंग, टेस्टिंग, टाइमिंग ट्रान्सपेरेन्सी पर जोर दिया। उन्होनें कृषि की

जीडीपी के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि कोरोना से पहले कृषि जीडीपी 14 प्रतिशत थी और आज 20 प्रतिशत हो गई है। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। आज के समय में हम कार्पोरेट जॉब के प्रति भले ही आकर्षित हो रहे है लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे सम्पूर्ण विकास के लिये कृषि ही आधार स्तम्भ बन कर खड़ी होती है। हमें कोरेनाकाल को याद करना चाहिए जब सारे उद्योग बन्द से हो गये थे, तब लोग गांवों की ओर ही लौट रहे थे। ऐसे समय में कृषि आधारित व्यवस्था ने ही भारत को मजबूती से खड़े रखा। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने कहा कि ग्लोबल शेयर में भारत की स्थिति विश्व में सबसे मजबूत है। उन्होने ऑर्गेनिक फार्मिंग के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज रसायनयुक्त कीटनाक के उपयोग से स्वास्थ्य सम्बन्धी परेानियां बढ़ रही है। हम ऑर्गेनिक फार्मिंग के जरिये इस समस्या के निजात पा सकते है साथ ही शुद्ध और सात्विक आहार प्राप्त कर सक्कते है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की एनएसएस ईकाई के सहयोग से कृषि एवं पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय ने प्रश्नोारी आयोजित की। जिसमें प्रथम विजेता दिनेश धाकड़, द्वितीय स्थान खुशीराम चौधरी आकाश, दीपेश सालवी एवं तृतीय स्थान पर भावित गिरी गोस्वामी, प्रियंका चौधरी और प्रवीण मेनारिया रहे। मेवाड़ विश्वविद्यालय के एनएसएस वॉलिन्टियर्स द्वारा कुलपति के सानिध्य में वृक्षारोपण भी किया गया। स्वागत भाषण संकायाध्यक्ष प्रो. वाई. सुदर्शन ने दिया। संचालन कृषि विभाग के विद्यार्थी श्रेयल सेन तथा सलोनी शर्मा ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना से तथा राष्ट्रगान से हुआ। धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष गौतम सिंह धाकड़ ने दिया। इस अवसर पर डायरेक्टर एकेडमिक्स डी.के. शर्मा, उपकुलसचिव दीप्ती शास्त्री, प्रो. चित्रलेखा सिंह, डॉ. आर.एस. राणा, डॉ. आर. राजा, डॉ. के.के. भाटी, डॉ. नीलू जैन, डॉ. दीपक मिश्रा, डॉ. मनोहर मेघवाल, बृजो मीणा, ओम प्रकाश गुर्जर, ओम प्रकाश रेगर, प्रदीप सिंह, चम्पा लाल रेगर, राकेश झंवर, सचिता कार्निक, भगवान सुमन, वसीम सहित विवविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस हुवा संपन्न

निहाल दैनिक समाचार
05 दिसम्बर 2022

लक्ष्मण परालिया

चितौड़गढ़ 4 दिसंबर।युवाओं के कृषि क्षेत्र में भी नवाचार करना चाहिए कृषि क्षेत्र में भी उद्यमी बनने पर हमें जोर देना होगा। उक्त बातें राष्ट्रीय कृषि शिक्षा दिवस के अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय में कृषि एवं पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आईसीएआर के पूर्व डीडीजी डॉ. एन.एस. राठौड़ ने कही। आगे उन्होने कृषि के महत्व पर विचार रखते हुए कहा कि आज हमारा देश खाद्यान्न उत्पादन में तीसरे नम्बर पर है और सब्जी और फल तथा दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। आज हमारे देश की स्थिति यह है कि हम आस-पड़ोस के देों को भी खिला सकते है। उन्होने कृषि क्षेत्र में चार तरह के 'टी' को महत्वपूर्ण बताया। जिसमें उन्होंने कृषि क्षेत्र में ट्रेनिंग, टेस्टिंग, टाइमिंग ट्रान्सपेरेन्सी पर जोर दिया। उन्होनें कृषि की जीडीपी के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि कोरोना से पहले कृषि जीडीपी 14 प्रतिशत थी और आज 20 प्रतिशत हो गई है। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। आज के समय में हम कार्पोरेट जॉब के प्रति भले ही आकर्षित हो रहे है लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे सम्पूर्ण विकास के लिये कृषि ही आधार स्तम्भ बन कर खड़ी होती है। हमें कोरोनाकाल को याद करना चाहिए जब सारे उद्योग बन्द से हो गये थे, तब लोग गांवों की ओर ही लौट रहे थे। ऐसे समय में कृषि आधारित व्यवस्था ने ही भारत को मजबूती से खड़े रखा। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने कहा कि ग्लोबल शेयर में भारत की स्थिति विश्व में सबसे मजबूत है। उन्होने ऑर्गेनिक फार्मिंग के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज रसायनयुक्त कीटनाक के उपयोग से स्वास्थ्य सम्बन्धी परेानियां बढ़ रही है। हम ऑर्गनिक फार्मिंग के जरिये इस समस्या के निजात पा सकते है साथ ही शुद्ध और सात्विक आहार प्राप्त कर सकते है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की एनएसएस ईकाई के सहयोग से कृषि एवं पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय ने प्रश्नोारी आयोजित की। जिसमें प्रथम विजेता दिनेश धाकड़, द्वितीय स्थान खुशीराम चौधरी आकाश, दीपेश सालवी एवं तृतीय स्थान पर भावित गिरी गोस्वामी, प्रियंका चौधरी और प्रवीण मेनारिया रहे। मेवाड़ विश्वविद्यालय के एनएसएस वॉलिन्टियर्स द्वारा कुलपति के सानिध्य में वृक्षारोपण भी किया गया। स्वागत भाषण संकायाध्यक्ष प्रो. वाई. सुदर्शन ने दिया। संचालन कृषि विभाग के विद्यार्थी श्रेयल सेन तथा सलोनी शर्मा ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना से तथा राष्ट्रगान से हुआ। धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष गौतम सिंह धाकड़ ने दिया।

इस अवसर पर डायरेक्टर एकेडमिक्स डी.के. शर्मा, उपकुलसचिव दीप्ती शास्त्री, प्रो. चित्रलेखा सिंह, डॉ. आर.एस. राणा, डॉ. आर. राजा, डॉ. के.के. भाटी, डॉ. नीलू जैन, डॉ. दीपक मिश्रा, डॉ. मनोहर मेघवाल, बृजो मीणा, ओम प्रकाश गुर्जर, ओम प्रकाश रेगर, प्रदीप सिंह, चम्पा लाल रेगर, राकेश झंवर, सचिता कार्निक, भगवान सुमन, वसीम सहित विवविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दास्ताने भीलवाड़ा

कृषि क्षेत्र में भी हम बनें उद्यमी- प्रो. एन.एस. राठौड़

मेवाड़ विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस आयोजित

■दास्ताने भीलवाड़ा @ चित्तोड़गढ

युवाओं के कृषि क्षेत्र में भी नवाचार करना चाहिए कृषि क्षेत्र में भी उद्यमी बनने पर हमें जोर देना होगा। उक्त बातें राष्ट्रीय कृषि शिक्षा दिवस के अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय में कृषि एवं पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आईसीएआर के पूर्व डीडीजी डॉ. एन.एस. राठौड़ ने कही। आगे उन्होने कृषि के महत्व पर विचार रखते हुए कहा कि आज हमारा देश खाद्यान्न उत्पादन में तीसरे नम्बर पर है और सब्जी और फल तथा दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। आज हमारे देश की स्थिति यह है कि हम आस-पड़ोस के देशों को भी खिला सकते है। उन्होने कृषि क्षेत्र में चार तरह के 'टी' को महत्वपूर्ण बताया।

कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। आज के समय में हम कार्पोरेट जॉब के प्रति भले ही आकर्षित हो रहे है लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे सम्पूर्ण विकास के लिये कृषि ही आधार स्तम्भ बन कर खड़ी होती है। हमें कोरोनाकाल को याद करना चाहिए जब सारे उद्योग बन्द से हो गये थे, तब लोग गांवों की ओर ही

लौट रहे थे। ऐसे समय में कृषि आधारित व्यवस्था ने ही भारत को मजबूती से खड़े रखा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की एनएसएस ईकाई के सहयोग से कृषि एवं पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय ने प्रश्नोारी आयोजित की। जिसमें प्रथम विजेता दिनेश धाकड़, द्वितीय स्थान खुशीराम चौधरी आकाश, दीपेश सालवी एवं तृतीय स्थान पर भावित गिरी गोस्वामी, प्रियंका चौधरी और प्रवीण मेनारिया रहे। मेवाड़ विश्वविद्यालय के एनएसएस वॉलिन्टियर्स द्वारा कुलपति के सानिध्य में वृक्षारोपण भी किया गया। स्वागत भाषण संकायाध्यक्ष प्रो. वाई. सुदर्शन ने दिया। संचालन कृषि विभाग के विद्यार्थी श्रेयल सेन तथा सलोनी शर्मा ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना से तथा राष्ट्रगान से हुआ। धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष गौतम सिंह धाकड़ ने दिया।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर डायरेक्टर एकेडमिक्स डी.के. शर्मा, उपकुलसचिव दीप्ती शास्त्री, प्रो. चित्रलेखा सिंह, डॉ. आर.एस. राणा, डॉ. आर. राजा, डॉ. के.के. भाटी, डॉ. नीलू जैन, डॉ. दीपक मिश्रा, डॉ. मनोहर मेघवाल, बृजो मीणा, ओम प्रकाश गुर्जर, ओम प्रकाश रेगर, प्रदीप सिंह, चम्पा लाल रेगर, राकेश झंवर, सुचिता कार्निक, भगवान सुमन, वसीम सहित विवविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।